

Book Ad Any category of Classified and get special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times
Hindustan hindi

Discount Code TBC10

Contact:

Kunika Advrtising

Plot no,516. sector-12
friends co-operative society
vasundhara ghaziabad

Mo. 8130640000

Year-14 issue- 11
RNI.NoUPBIL/2009/28691
DAVP Code:101473



Page 8/ Ghaziabad ,Sunday , 14 august 2022
08 august to 14 july 2022
Postal Registration No.UP/GZB- 80/2016-18
Mo.9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad

डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

Page 03 लोगों को जाम से मुक्ति ...



Page 05 सीबीएसई ने 10 वीं और 12 वीं की ...



Page 08 हर घर तिरंगा ...



TIRUPATIEYE 2500 राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास

टीबीसी न्यूज । प्रदेश के सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को वाईफाई सुविधा से लैस करने के बाद यहां स्मार्ट क्लासेज शुरू करने की भी तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार 2500 विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेज की स्थापना हो रही है। पहले चरण में 1060 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास शुरू की जाएंगी। इसके लिए छह माह का वक्त दिया गया है। शासन ने तेजी से काम करने के निर्देश दिए हैं। इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्मार्ट क्लासेज तैयार करने की जिम्मेदारी अपट्रॉन पावरट्रॉनिक्स को दी गई है। कंपनी की ओर से टेंडर प्रक्रिया की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में पहले चरण में 1060 विद्यालयों को चुना गया है। इनमें स्मार्ट क्लास शुरू करने के लिए प्रति विद्यालय लगभग 2 लाख 40 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। स्मार्ट क्लासेज शुरू होने से बच्चों को पढ़ाई के लिए पर्याप्त ई-कंटेंट उपलब्ध होगा। विभिन्न जिलों में अलग-अलग 1070 विद्यालयों में सोलर पैनल भी लगेंगे। आधुनिक ढंग से होगी पढ़ाई अपर मुख्य सचिव माध्यमिक आराधना शुक्ला के अनुसार स्मार्ट क्लास शुरू होने से माध्यमिक विद्यालयों के बच्चे भी नए तौर-तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए सभी विद्यार्थियों के ई-मेल बनवाए गए हैं। सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में वाईफाई की सुविधा उपलब्ध हो गई है। बच्चों को कैरिअर गाइडेंस के लिए 'पंख' पोर्टल तैयार किया गया है। यूपी बोर्ड के विद्यार्थी 10वीं व 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद 'पंख' पोर्टल से भविष्य संवारने की सलाह ले सकेंगे।

साहिबाबाद केंद्र पर कोविड वैक्सीनेशन कैंप में 150 लोगों ने लगवाई बूस्टर डोज

आरएचएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब ने लगाया कोविड वैक्सीनेशन बूस्टर डोज कैंप



पिछले दिनों से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़े हैं और लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। अभी तक जिन लोगों ने बूस्टर डोज नहीं लगवाई है वह स्वास्थ्य केंद्र पर आकर बूस्टर डोज लगवाएं और महामारी से बचाव करने में अपना पूरा सहयोग करें।

- कुनिका भार्गव, प्रेसिडेंट रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन



गाजियाबाद न्यूज । रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन ने मेरा स्वास्थ्य मेरे हाथ स्लोगन अभियान के तहत 150 लोगों को साहिबाबाद गांव स्थित प्राइमरी स्वास्थ्य केंद्र कोविड वैक्सीनेशन बूस्टर डोज कैंप लगाया। आरएचएम फाउंडेशन एंड रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के नेतृत्व में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोग बूस्टर डोज के लिए आगे आ रहे हैं। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन की अध्यक्ष रो कुनिका भार्गव ने कहा कि कोरोना संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है।

इसलिए कोरोना संक्रमण को हल्के में नालें। जिन लोगों ने अभी तक वैक्सीन नहीं लगवाई है वह संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीन जरूर लगवाएं। अगर दोनों वैक्सीन लग गई हैं तो वह बूस्टर डोज जरूर लगवाने के लिए चिकित्सा केंद्र पर पहुंचें। वैक्सीनेशन का फायदा तभी मिलेगा जब हर

व्यक्ति बूस्टर डोज ले लेगा। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर की अध्यक्ष रो मनीषा भार्गव ने कहा कि बूस्टर डोज को लेकर कुछ लोगों में गलतफहमियां हो गई हैं। इसलिए वैक्सीनेट होने के बाद अपने नियत समय पर बूस्टर डोज के लिए स्वास्थ्य केंद्र पर जरूर पहुंचें। बूस्टर डोज अभियान को सफल बनाने में गाजियाबाद सेफरोन के साथ इंदिरापुरम गैलोर, गाजियाबाद सेंट्रल और दिल्ली ईस्ट एंड ने मुख्य भूमिका निभाई।

उन्होंने आगे भी इसी तरह अभियान चलाने का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ आदित्य सिसोदिया ने कहा कि आरएचएम फाउंडेशन एंड रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन की ओर से पूरा सहयोग मिल रहा है। वैक्सीनेशन अभियान के बाद बूस्टर डोज में भी आरएचएम फाउंडेशन और उसके सहयोगी क्लब मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

(शेषपेज पांचपर)

75 HAPPY Independence DAY

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE
GHAZIABAD FIRST HINDI / ENGLISH
(Bi-Lingual) WEEKLY NEWSPAPER
www.tbcbz.com

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर गाजियाबाद के निवासियों को हार्दिक बधाई

हर घर तिरंगा अभियान 13-15 अगस्त के बीच अपने घर पर फहराएं तिरंगा

Plot No. 516, Sector-12, Friends Co-operative Society,
Vasundhara, Ghaziabad, (U.P.) 201012
Mob. : 9810522380, 9818373200
rtndkbhargava@gmail.com | www.tbam.co.in

जनपद में छह राजकीय कॉलेज में बनाई जाएंगी स्मार्ट क्लास, बच्चों को मिलेगी डिजिटल एजुकेशन

गजियाबाद। जनपद के छह राजकीय कॉलेजों के छात्र अगले शैक्षिक सत्र से स्मार्ट क्लासों में पढ़ाई करेंगे। इसके लिए शासन ने स्मार्ट क्लास के निर्माण और बजट संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। छात्रों को तकनीक से जोड़ते हुए स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इनका निर्माण किया जाएगा।

जिले में सरकारी स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई को डिजिटल रूप दिया जा रहा है। इसी के तहत जनपद के छह राजकीय कॉलेजों में स्मार्ट क्लास बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। जिसमें विद्यार्थियों को कंप्यूटर की उच्च तकनीक से पठन-पाठन कराया जाएगा। स्मार्ट क्लास बनने से छात्रों को वीडियो और प्रेजेंटेशन के माध्यम से विज्ञान शिक्षा प्रदान करने में सहयोग मिलेगा। जिला विद्यालय



निरीक्षक राजेश श्रीवास ने बताया कि शासन के निर्देश पर छह राजकीय कॉलेजों में स्मार्ट क्लासों का निर्माण किया जाएगा।

हर कॉलेज में दो स्मार्ट कक्षाएं बनाने का प्रस्ताव है। अगले शैक्षिक सत्र तक ये सभी क्लासें तैयार हो जाएंगी। स्मार्ट क्लास बनाने के लिए राजकीय इंटर

कॉलेज कुशलिया, नूरपुर, मतौर, नंदग्राम, नाहली और त्योड़ी का चयन किया गया है। इसके अलावा राजकीय बालिका कॉलेज विजयनगर में भी स्मार्ट क्लास बनाने का प्रस्ताव पास किया गया है। स्मार्ट क्लास के निर्माण के लिए कुल 83 लाख के बजट की मंजूरी दी गई है। जिससे छह राजकीय कॉलेजों में स्मार्ट

स्मार्ट क्लास के निर्माण के लिए कुल 83 लाख के बजट की मंजूरी दी गई है। जिससे छह राजकीय कॉलेजों में स्मार्ट क्लासों का निर्माण किया जाएगा। स्कूलों में स्मार्ट क्लास तैयार होने के बाद डिजिटल शिक्षा को मजबूती मिलेगी। स्मार्ट क्लास में प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, एलईडी स्क्रीन, स्पीकर, माइक, वेबकैम, इंटरनेट कनेक्शन अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। जिससे बच्चों की पढ़ाई के दौरान इंटरनेट बाधा न बन सके।

क्लासों का निर्माण किया जाएगा। स्कूलों में स्मार्ट क्लास तैयार होने के बाद डिजिटल शिक्षा को मजबूती मिलेगी। स्मार्ट क्लास में प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, एलईडी स्क्रीन, स्पीकर, माइक, वेबकैम, इंटरनेट कनेक्शन अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। जिससे बच्चों की पढ़ाई के दौरान इंटरनेट बाधा न बन सके।

एमएमजी अस्पताल के चिकित्सक को डेंगू

गजियाबाद। एमएमजी अस्पताल के दो चिकित्सकों को कोरोना होने के बाद शनिवार को तीसरे डॉक्टर को डेंगू की पुष्टि हुई है। जिससे अस्पताल में हड़कंप मचा हुआ है। क्योंकि जिले के मलेरिया विभाग का कार्यालय एमएमजी अस्पताल परिसर में ही है और हाल ही में संक्रामक रोग नियंत्रण अभियान हाल ही में खत्म हुआ है। एमएमजी अस्पताल में मलेरिया विभाग के कार्यालय है।

यहां से जुलाई माह में पूरे जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा था। यह अभियान हाल ही में खत्म हुआ है। मलेरिया विभाग का दावा है कि इस अभियान के दौरान जगह जगह दवाइयों का छिड़काव भी किया गया था। लेकिन इसके बाद अस्पताल के ही डाक्टर को डेंगू होने से वहां हड़कंप मच गया। क्योंकि रोजाना अस्पताल में एंटी लार्वा स्प्रे भी होता है। अस्पताल परिसर में मलेरिया विभाग ने डेंगू लार्वा जांच का अभियान भी चलाया था।



ऐसे में अगर एमएमजी अस्पताल में ही मलेरिया विभाग का अभियान विफल है तो फिर जिले भर में जो अभियान चलाया गया, उसकी सफलता पर कैसे भरोसा किया जा सकता है। मलेरिया विभाग के अधिकारियों का कहना है कि डेंगू संक्रमित डॉक्टर दिल्ली में रहते हैं और उन्हें वहीं डेंगू मच्छर ने काटा है।

जबकि डेंगू पीड़ित डॉक्टर दिनभर अस्पताल में ही रहते थे और ओपीडी करने के बाद वार्ड में मरीजों को देखते थे। शाम होने पर ही वह घर जाते थे। डेंगू का मच्छर दिन में ही काटता है। डेंगू पीड़ित डॉक्टर का उपचार चल रहा है और फिलहाल उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। लेकिन अस्पताल के तीन डाक्टर बीमार हो चुके हैं।

नगर निगम के आठ विकास कार्यों में गड़बड़ी मिलने से राजनीति गरमाई

गजियाबाद। नगर निगम के 25 में से आठ विकास कार्यों में निर्माण के दौरान गड़बड़ी हुई। यह खुलासा मंडलायुक्त की टेक्निकल ऑडिट कमेटी (टीएसी) की जांच में हुआ है। किसी कार्य की गुणवत्ता खराब मिली तो कहीं लापरवाही बरती गई। कमेटी की रिपोर्ट के बाद नगर निगम ठेकेदारों से नुकसान की वसूली करेगा। निगम के निर्माण विभाग ने विभिन्न मद से विकास कार्य कराए। नाला, सड़क, रोड पटरी और सीसी रोड आदि के निर्माण कार्य हुए।

निर्माण कार्यों के टेंडर छोड़ते वक्त ठेकेदारों को गुणवत्ता में लापरवाही नहीं बतरने की हिदायत दी गई। इसके बावजूद कई विकास कार्यों में खूब लापरवाही हुई। यही कारण है कि उनकी गुणवत्ता ठीक नहीं है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद निगम ने मंडलायुक्त की टेक्निकल ऑडिट कमेटी (टीएसी) को पत्र लिखकर जांच करने के लिए कहा।

28 जुलाई को टीम ने 25 विकास कार्यों की साइट पर जाकर जांच की। निर्माण सामग्री के सैंपल लिए गए। सैंपल की जांच के दौरान आठ विकास कार्यों में गड़बड़ी मिली। टीएसी ने अपनी जांच रिपोर्ट तीन अगस्त को निगम को भेज दी। नगर निगम निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया कि जिन कार्यों में गड़बड़ी है उन्हें दुरुस्त कराया जा रहा है। इसके साथ ही ठेकेदारों से वसूली होगी।

ठेकेदारों के अंतिम भुगतान से पैसे काटा जाएगा। निर्माण विभाग ने वार्ड-49 की एक कॉलोनी में सीसी रोड और नाली का निर्माण कराया था। ठेकेदार को साइड पटरी में टाइल्स लगानी थी। लेकिन सभी जगह टाइल्स नहीं लगाई गईं। खानापूर्ति के लिए कुछ जगह ही टाइल्स लगाईं। विजयनगर के खैरातीनगर में नाला निर्माण कराया गया। नाला निर्माण के दौरान मलबा नहीं

उठाया। वह मलबा नाले में गिर गया। इस कारण नाला बंद हो गया। निर्माण के दौरान सामग्री ठीक नहीं लगाई। विजयनगर के सम्राट चौक से एनएच-9 तक नाला बनाया गया। निर्माण के वक्त ही स्थानीय लोग इसकी गुणवत्ता की शिकायत कर चुके थे। इसके बावजूद निगम की तरफ से कार्रवाई नहीं हुई। जांच रिपोर्ट में भी निर्माण पर सवाल उठाए हैं।

निर्माण के बाद मलबा नहीं उठाया गया। सौर ऊर्जा मार्ग पर कई जगह टाइल्स लगाई गईं। निर्माण होने के कुछ दिनों बाद ही टाइल्स उखड़ गईं। टाइल्स उखड़ने से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। लोग वहां पर अब फिर से टाइल्स लगाने की मांग कर रहे हैं। कड़कड़ मॉडल के पास नाला बनाया गया। निर्माण कार्य के दौरान काम सफाई से नहीं किया गया। मलबा वहीं छोड़ दिया। सीमेंट उखड़ने लगा है।

साल 2023 में लोगों को मिलेगा देश की पहली रैपिड रेल का तोहफा

गजियाबाद न्यूज। टीबीसी न्यूज। एनसीआरटीसी के गजियाबाद स्थित दुहाई डिपो में शनिवार शाम रैपिड रेल का सफल ट्रायल किया गया। रेल की गति 25 किलोमीटर प्रति घंटा रही। डिपो के अंदर ही 600 से 700 मीटर लंबा ट्रैक तैयार किया गया है। इस पर रोजाना ट्रायल किया जा रहा है। हालांकि मुख्य ट्रायल दिसंबर में आरंभ होगा। रैपिड रेल अगले साल मार्च में साहिबाबाद से दुहाई के बीच यात्रियों के लिए दौड़ने लगेगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के एमडी विनय कुमार सिंह और रॉलिंग टीम के सदस्य ट्रायल के दौरान रेल के अंदर बैठे। रेल ने डिपो में बनाए ट्रैक पर कई चक्कर लगाए। परीक्षण के दौरान संचार नेटवर्क का भी सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। विनय कुमार सिंह का कहना है कि डिपो के अंदर पहला ट्रायल सफल रहा। ट्रायल से पहले



डिपो के अंदर ही रेल को चलाया जाएगा। इस दौरान जो कमियां सामने आएंगी उन्हें ठीक कराया जाएगा। प्राथमिक खंड साहिबाबाद से दुहाई तक 17 किलोमीटर लंबा है। पहले खंड में वायडक्ट (पुल) तैयार किया जा रहा। ट्रैक बिछाने का काम जारी है। अगले साल मार्च में प्राथमिक खंड पर रैपिड रेल दौड़ने लगेगी।

रैपिड रेल के साहिबाबाद स्टेशन की शेड पर 1100 सोलर पैनल लगेंगे। स्टेशन की शेड बनाने का काम चल रहा है। 1100

सोलर पैनल लगने से साढ़े चार लाख यूनिट हर साल पैदा होगी। स्टेशन की लंबाई 216 मीटर और चौड़ाई 25 मीटर होने के कारण स्टेशन की शेड का आकार भी यही पर होगा। रैपिड रेल दिल्ली से मेरठ तक चलाई जानी है। यह कॉरिडोर 82 किलोमीटर लंबा है। सबसे पहले गजियाबाद में रेल चलेगी। रैपिड रेल के प्राथमिक खंड में पांच स्टेशन हैं। साहिबाबाद स्टेशन का काम पूरा हो गया। गजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो स्टेशन भी आकार लेने लगे हैं। मेरठ तिराहे पर बने रहे रैपिड रेल के स्टेशन को गजियाबाद मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 150 किलोमीटर लंबा फुट ओवर ब्रिज बनाया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में सर्वे में शामिल 63% लोगों ने कोविड-19 के लक्षण के बावजूद नहीं कराई जांच

टीबीसी न्यूज। दिल्ली-एनसीआर में सर्वे में भाग लेने वाले 63 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि पिछले 30 दिनों में कोविड-19 जैसे लक्षण होने के बावजूद उन्होंने कोई जांच नहीं कराई। डिजिटल कम्युनिटी बेस्ड प्लैटफॉर्म ने सोमवार को यह जानकारी दी। सर्वे के तहत लोगों को एक प्रश्नावली दी गई थी, जिस पर 10,821 प्रतिक्रियाएं मिलीं। एक बयान में कहा गया है कि 67 फीसदी उत्तरदाता पुरुष थे, जबकि 33 फीसदी महिलाएं थीं।

सर्वे में शामिल कुछ प्रश्नों में शामिल थे - "पिछले एक महीने में जब आपको या दिल्ली-एनसीआर में आपके परिवार के सदस्यों में कुछ लक्षण थे और एक कोविड-19 जांच (बिना कहीं गए) की आवश्यकता थी तो आपने किस प्रकार की जांच कराई थी?" इस सवाल के जवाब में किसी भी उत्तरदाता ने केवल आरटी-पीसीआर जांच नहीं कहा। इसमें कहा गया है कि जहां 25 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने रैपिड एंटीजन टेस्ट का विकल्प चुना, वहीं 12 प्रतिशत का जवाब



'आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन टेस्ट दोनों' था। 'लोकलसर्किल्स' ने बयान में कहा, हालांकि 63 प्रतिशत निवासियों ने कहा कि लक्षण होने के बावजूद उन्होंने इनमें से कोई भी जांच नहीं कराई। अध्ययन के नतीजे ऐसे समय आए हैं जब पिछले एक हफ्ते में दिल्ली में कोविड-19 के मामले काफी बढ़े हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में रविवार को कोविड-19 के 2,423 मामले आए और संक्रमण दर 14.97 प्रतिशत रही, जो 22 जनवरी के बाद से सबसे अधिक है, जबकि बीमारी के कारण दो और लोगों की मौत हो गई। 22 जनवरी को संक्रमण दर 16.4 प्रतिशत थी। यह लगातार पांचवां दिन था जब दैनिक मामलों की संख्या 2,000 से ऊपर रही।

लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए जल्द लागू होगी एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली

गजियाबाद न्यूज। शहर को जाम मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) अपनाई जाएगी। 122 चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। कंट्रोल रूम बनाकर शहर की हर सड़क पर नजर रहेगी। किस वाहन ने कहां पर नियम तोड़ा इसका आसानी से पता चल जाएगा। इस परियोजना की नगर निगम ने 373 पेज की डीपीआर शासन को भेज दी है। गजियाबाद में जाम की विकराल समस्या है। जाम के कारण मिनटों का सफर घंटों में पूरा होता है। रोजाना हर जाम पर लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है। मेरठ रोड, जीटी, रोड, अंबेडकर रोड, लाल कुआं के पास, लोहियानगर, विजयनगर आदि मुख्य सड़कों पर रोजाना भीषण जाम लग रहा है। इस समस्या दूर करने के लिए आईटीएमएस को लाया जा रहा है। इस परियोजना को राज्य स्मार्ट सिटी योजना में शामिल किया गया है। आईटीएमएस पर 42 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि 373 पेज की डीपीआर शासन को



भेज दी है। शासन से इसमें यदि कुछ संशोधन के लिए कहा जाएगा तो उसमें संशोधन किया जाएगा। उन्होंने बताया यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए कंट्रोल रूम तैयार होगा। वहां से यातायात पुलिस पूरे शहर की सड़कों पर नजर रखी सकेगी।

नगर आयुक्त ने बताया कि डीपीआर में प्रमुख यातायात चौराहों को शामिल करने का सुझाव दिया है। डीपीआर में यातायात

नियंत्रण प्रणाली, यातायात प्रवर्तन प्रणाली, लाल बत्ती उल्लंघन का पता लगाने वाली प्रणाली, बिना हेलमेट का पता लगाने वाली प्रणाली और ट्रिपल राइडिंग डिटेक्शन सिस्टम जैसी अन्य प्रणालियों को रखा जाएगा। डाबर चौक, कौशांबी, साहिबाबाद मंडी, कालका गढ़ी चौक, हापुड़ चुंगी, सौर ऊर्जा मार्ग, बौद्ध चौक (वसुंधरा), यूपी-गेट के पास, हिंडन एयर बेस के पास, काला पत्थर (इंदिरापुरम) , सीआईएसएफ चौक, वसुंधरा के पास ग्रीन

वैली टी-पॉइंट, इंदिरापुरम में एसआरएस सिनेमा जंक्शन और एलटी कट आदि चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। शहर में विभिन्न जगह छह से ज्यादा स्पीड डिटेक्शन रडार कैमरे लगेंगे। यातायात नियम तोड़ने के बाद वाहनों को ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एमपीआर) कैमरे से आसानी से पकड़ लिया जाएगा ऐसे में वाहनों के तेज रफ्तार पर होने के बावजूद उन्हें पकड़ा जा सकेगा।

नियो मेट्रो को लेकर एक हफ्ते में देनी होगी रिपोर्ट

गजियाबाद। जीडीए वैशाली से मोहननगर रूट समेत तीन रूट पर रोपवे की जगह नियो मेट्रो का संचालन कर सकता है। इसके लिए इन तीनों रूट का महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर निरीक्षण कर चुके हैं। अब एक हफ्ते के दौरान वह अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्राधिकरण को देंगे। इस रिपोर्ट में नियो मेट्रो के संचालन की संभावना समेत उसपर आने वाले खर्च की जानकारी देंगे। शहर के यातायात को आधुनिक बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री वीके सिंह लगातार प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अनूप अग्रवाल को गजियाबाद में नियो मेट्रो के संचालन की संभावना को तलाशने के लिए बुलाया गया था। पिछले दिनों महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ने प्राधिकरण के मुख्य अभियंता के साथ इन तीनों रूट का निरीक्षण किया। अब वह इन



रूट पर नियो मेट्रो की संभावना की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार कर जीडीए को भेजेंगे। जिसमें इन रूट पर नियो मेट्रो के संचालन व उसपर आने वाले खर्च की जानकारी दी जाएगी।

इस रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की योजना तैयार की जाएगी। जीडीए के मुख्य अभियंता राकेश कुमार गुप्ता बताते हैं कि नियो मेट्रो में सामान्य मेट्रो की तुलना में 40 फीसदी कम खर्च आता है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ने वैशाली से मोहन

नगर, नोएडा सेक्टर 62 से साहिबाबाद और हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन से राजनगर एक्सटेंशन तक रूट का निरीक्षण किया था। जिसमें उन्होंने ट्रांस हिंडन के दोनों रूट पर नियो मेट्रो के संचालन की बात कही है। हालांकि वह एक हफ्ते में प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार कर देंगे। जिसमें विस्तृत जानकारी होगी।

जीडीए के मुख्य अभियंता राकेश कुमार गुप्ता बताते हैं कि मेट्रो तीन तरह की होती है। एक सामान्य मेट्रो होती है।

जो गजियाबाद समेत दिल्ली नोएडा में चल रही है। इसकी लागत सबसे ज्यादा आती है। दूसरी लाइट मेट्रो और तीसरी नियो मेट्रो होती है। मेट्रो नियो के कोच दो तरह की लंबाई के होंगे। एक कोच 12 मीटर लंबाई का होगा, जिसमें अधिकतम 90 यात्री सफर कर सकेंगे। दूसरा कोच 24 से 25 मीटर का होगा, जिसमें 225 यात्री सफर कर सकेंगे।

अवैध रूप से संचालित डेरियों का पता लगाने के लिए सर्वे शुरू

गजियाबाद। नगर निगम ने शहर में चल रही डेरियों का पता लगाने के लिए सर्वे शुरू किया है। सर्वे पूरा होने के बाद बंद कराने के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे। नगर निगम एनजीटी के आदेश पर यह कार्यवाही करने जा रहा है। साथ ही उन सभी डेयरी संचालकों पर जुर्माना लगाया जाएगा जो गंदगी नालियों में डाल रहे हैं। शहर में करीब दो हजार से ज्यादा डेरी चल रही है। नगर निगम के पास इनका रिकॉर्ड नहीं है।

शिकायत मिलने पर ही नगर निगम की तरफ से कार्यवाही की जाती है। शहर के आवासीय क्षेत्र में डेयरी चलने से लोगों को परेशानी भी उठानी पड़ती है, क्योंकि डेयरियों के आसपास काफी गंदगी रहती है। इसके अलावा डेयरी संचालक गंदगी भी नाले और नालियों में डाल देते हैं, इससे

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा

गजियाबाद न्यूज। राजेंद्र नगर और नेहरू नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं ने आजादी के अमृत उत्सव के तहत तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ विद्यालय के व्यवस्थापक प्रदीप गुप्ता और विद्यालय समिति के सदस्य विक्रम, बीके शर्मा व प्रधानाचार्या रेखा शर्मा ने किया। रैली के दौरान हाथ में तिरंगा थामे 400 छात्रों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाते हुए तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान आचार्य गण भी साथ रहकर छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे थे। यात्रा के दौरान कई स्थानों पर छात्रों के ऊपर पुष्प वर्षा भी की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्य रेखा ने कहा कि सभी छात्रों व नागरिकों में तिरंगे के प्रति सम्मान, देश भक्ति और राष्ट्र प्रेम जागृत करने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। तिरंगा यात्रा के बाद राष्ट्र के प्रति सम्मान दिखाते हुए प्रभात फेरी भी निकाली गई। उधर, आजादी का अमृत महोत्सव के तहत नेशनल मेडिकल ऑर्गनाइजेशन के डॉक्टरों ने सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के 150 प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कृत किया। डॉक्टरों टीम में डॉ आशीष अग्रवाल, डॉ शरद अग्रवाल, डॉ वीसी जिंदल, डॉ विपुल त्यागी, डॉ मधु पोद्दार आदि मौजूद रहे।

बिकी हुई संपत्ति पर पंजाब नेशनल बैंक ने दे दिया चार करोड़ रुपये का लोन

टीबीसी न्यूज। पंजाब नेशनल बैंक की चंद्रनगर शाखा में चार करोड़ के लोन फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। मेरठ रोड की एक फर्म ने बैंक से चार करोड़ रुपये का लोन लेकर किस्त चुकानी बंद कर दी। इसके बाद हुई बैंक की जांच में सामने आया कि जिस संपत्ति को बंधक रखा गया वह पूर्व में ही बेची जा चुकी है। बैंक ने लोन खाते को एनपीए करने के साथ ही फर्म संचालक और गारंटर के खिलाफ सीबीआई में केस दर्ज कराया है। बैंक ने ब्याज समेत लोन धनराशि करीब 6.25 करोड़ बताई है। दो साल में इसी शाखा में करोड़ों के लोन फर्जीवाड़े के चार मामलों में सीबीआई ने केस दर्ज किया है। मेरठ रोड पर मनन धाम के पास स्थित फैरस शीट ट्रेडिंग फर्म शिवम ट्रेडर्स ने



पीएनबी की चंद्रनगर शाखा में वर्ष 2017 में कारोबार के लिए चार करोड़ रुपये का लोन लिया।

फर्म संचालक महेश चंद ने कारोबार को गति देने के लिए बैंक से लोन लेते हुए अशोक नगर के एक 240 वर्गमीटर के भूखंड को गिरवी रखा। यह संपत्ति वीरेंद्र सिंह की थी जिन्होंने बैंक में खुद को

गारंटर के रूप में पेश किया। बैंक ने मार्च 2017 में सभी प्रक्रियाएं पूरी कर चार करोड़ रुपये का लोन जारी कर दिया। कुछ समय बाद आरोपी फर्म की तरफ से बैंक को किस्त चुकाना बंद कर दिया गया। जिसके बाद जुलाई 2017 में बैंक ने खाते को एनपीए घोषित कर अपने यहां अंदरूनी जांच बैठा दी।

जांच के दौरान सामने आया कि इसी बैंक में बंधक संपत्ति पर आगरा की सूर्यनगर स्थित पीएनबी शाखा से फरवरी 2018 में लोन लेकर डिफॉल्ट किया गया। इस मामले में सीबीआई में केस दर्ज है।

बैंक ने संपत्ति पर कानूनी सलाह ली जिसमें पाया गया कि अप्रैल 2016 में वीरेंद्र सिंह ने अपनी अशोक नगर की संपत्ति बेच दी थी। यानि वर्ष 2016 में ही बेची गई संपत्ति को वर्ष 2017 में बंधक रखकर लोन लिया गया।

मामले में बैंक के मुख्य प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद यादव ने एचआईजी फ्लैटस नंदग्राम निवासी फर्म संचालक महेश चंद तथा गारंटर वीरेंद्र सिंह समेत अज्ञात बैंक कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई में मुकदमा दर्ज कराया है। बैंक का कहना है कि लोन की धनराशि ब्याज के साथ अब 6.25 करोड़ रुपये हो गई है। बैंक की जांच में सामने आया कि बैंक में जिस संपत्ति को लोन खाते के लिए बंधक रखा गया उसका रिकॉर्ड गायब है। इसमें बैंक

कर्मचारियों की मिलीभगत हो सकती है। बैंक ने जांच के बाद एक एजीएम और एक प्रबंधक को सेवा से हटा दिया है। इससे पूर्व इसी शाखा में 4.55 करोड़ के लोन फर्जीवाड़े के मामले में भी बैंक ने सीबीआई में केस दर्ज कराया था। पांडव नगर की पशु आहार की एक फर्म ने बैंक से लोन लेकर नहीं चुकाया। बैंक ने जांच की तो पाया कि फर्म संचालक ने लोन की धनराशि को एक अन्य कंपनी के खाते में ट्रांसफर किया जिसमें वह खुद निदेशक है। बैंक ने लोन खाते को एनपीए करने के साथ ही फर्म संचालक और गारंटर के खिलाफ सीबीआई में केस दर्ज कराया है। बीते साल भी इसी शाखा में करोड़ों रुपये के लोन फर्जीवाड़े के दो मामलों में सीबीआई ने केस दर्ज किया था।

Editorial

Trade worries: On the expanding trade and current account deficits

July's provisional trade data should trigger early warning signals among policymakers, as the first year-on-year contraction in exports in 17 months, albeit marginal, and a 44% jump in imports, sharply widened the trade deficit to a third successive monthly record. The export performance is of concern, reflecting a slowdown in overseas demand for Indian merchandise, the competitive advantage gained by the rupee's sizeable depreciation against the U.S. dollar notwithstanding. While the Commerce Ministry has sought to explain away the 0.8% slide in last month's exports as largely being a result of inflation-control curbs, the Ministry's preliminary disaggregated data suggest several key sectors including engineering goods, gems and jewellery, garments and yarn and textiles, and drugs and pharmaceuticals, which were mostly outside the purview of those measures, also suffered contractions. And viewed on a sequential basis, the slide in exports from June's level is a disconcerting 12.2%. Engineering goods, which at more than 26% represented the largest share of merchandise shipped overseas in July, contracted 2.5% from a year earlier and also shrank 2.9% sequentially. Even granting that the Government's introduction in late May of a stiff export tax on a range of steel products, with a view to boosting their domestic availability and cooling price gains, was likely to have constrained exports of this segment of engineering goods, the contraction in the broad category points to a clear slowdown in demand in the advanced economies. The latest S&P Global PMI data from the U.S. and the eurozone for economic activity in July is also far from reassuring. (Dr.Dheeraj Kumar Bhargava)

From 1958 to 2018: How Team India has performed in athletics down the years at Commonwealth Games

India have performed exceptionally well at the Commonwealth Games 2022 in athletics. Despite the absence of Neeraj Chopra due to an injury, the country has won eight medals in Birmingham earning five medals more than they did in 2018. Tejaswin Shankar started off India's athletics medal tally with a bronze in high jump. Murali Sreeshankar created history by clinching the silver medal in long jump. Racewalkers Priyanka Goswami and Sandeep Kumar clinched the silver and bronze medals respectively. The only gold medal was clinched by Eldhose Paul in the men's triple jump category while Abdulla Aboubacker Narangolintevid won the silver in the same event. India has now won 36 medals in athletics at the Commonwealth Games including 6 gold, 14 silver and 16 bronze. In fact, the country stands in 15th position in the all-time athletics medal tally at the Commonwealth Games. Here is how India has performed in athletics at Commonwealth Games down the years.

1958 Cardiff

India won their first medal in ath-

letics in the men's 400m race, and was won by none other than the legendary Milkha Singh. He won the gold medal at the event outclassing all his other opponents.

1966 Kingston

Praveen Kumar Sobti, more popularly known as Bhim from the Mahabharat TV serial, won the bronze medal in the 1966 Commonwealth Games in the men's Hammer Throw event.

1970 Edinburgh

Mohinder Singh Gill clinched the bronze medal in the men's triple jump event, and this was the start of the journeys of one of the best athletes India has ever produced.

1974 Christchurch

Mohinder Singh Gill won the silver medal four years later after winning bronze, thus becoming the first Indian athlete to win multiple medals at the Commonwealth Games 2022.

1978 Edmonton

Suresh Babu clinched India's first medal in men's long jump, as he clinched the bronze medal in the category in 1978.

2002 Manchester

It took India 24 years to win another medal in athletics. However, in 2002 history was created as Indian women clinched medals for the first time in athletics. Neelam Jaswant Singh won the bronze medal in discus throw and Anju Bobby George clinched the bronze medal in long jump. In fact this was the first time that India clinched multiple athletics

medals in a single Commonwealth Games edition

2006 Melbourne

Ranjith Kumar became the first Indian para-athlete to clinch a medal at the Commonwealth Games when he won the bronze at the seated discus throw event. India won two more medals in 2006 CWG. Seema Antil won a silver medal in discus throw while the team of Rajinder Kaur, Chitra Soman, Manjeet Kaur & Pinki Pramanik won silver in the 4x400 Relay.

2010 New Delhi

India won a total of 12 athletics medals including 2 golds, three silvers and seven bronze medals, thus finishing with their highest ever athletics tally at Commonwealth Games. In fact, it was the women athletes who won seven medals, including two gold. In fact, for the first and only time in history there was an all Indian podium at the Commonwealth Games, when Krishna Poonia, Harwant Kaur and Seema Antil won the gold, silver and bronze medals in the women's discus throw event.

2014 Glasgow

India won three medals at the Commonwealth Games 2014. Vikas Gowda won the gold medal in men's discus throw while Seema Antil won the silver in the women's version of the event. In fact Antil became the first Indian athlete to win three medals at the Commonwealth Games. Arpinder Singh won bronze in the men's triple jump.

Captain Savita Punia reacts after India women's hockey team wins CWG 2022 bronze

The Indian women's hockey team ended their 16-year long wait for podium finish at the Commonwealth Games, as they clinched the bronze medal at the quadrennial event in Birmingham by defeating New Zealand in the bronze medal match in what was a nail biting encounter.

India headed into the final 30 seconds of the game with a slim 1-0 lead until New Zealand equalized right at the end of the game thus letting the match head to penalty shot-out. Though the New Zealanders were up in the shootout, the Women in Blue staged a remarkable comeback to win the match 3-1 on penalties and clinch the bronze medal at Birmingham. The win will come as a boost for the Indian team who missed out on a place in the final due to a heartbreaking and controversial loss in the semi-final against Australia. Captain Savita Punia was delighted at the bronze medal win but admitted that they deserved much more than the bronze. ₹Of

course, we deserved something else but we are not returning empty hands, ₹ the goalkeeper said in an interaction with India Today.

The captain also admitted that they were ready for the penalty shootout especially after the loss against Australia. After the defeat against Australia, the players were obviously sad but we had yesterday to motivate ourselves. We knew today's match wasn't going to be easy because New Zealand is a good team. We knew the score would be close and the match could go in a shootout. So we were ready for all possibilities, added Savita Punia. After the defeat against Australia, the players were obviously sad but we had yesterday to motivate ourselves. We knew today's match wasn't going to be easy because New Zealand is a good team. We knew the score would be close and the match could go in a shootout. So we were ready for all possibilities, the captain said.

ADMISSION OPEN

Play Group to Grade 5

MAKE YOUR CHILD FUTURE READY WITH US

ENROLL

YOUR CHILD TODAY!

Team having 50 years of experience

Most Awarded PreSchool

NCERT based Curriculum

3D pen & Interactive Learning

Winner of Best Pre School at National Excellence Education Awards 2015 organised by ASSOCHAM

Best Emerging Innovative Pre-School Award 2016 by Worldwide Achievers Leading Market Research Co.

Most Innovative Preschool In Delhi/NCR by International Education Excellence Awards 2017

Winner of INDIA'S GREATEST BRANDS LEADERS 2017-2018 by Consumers & Industry

Winner of INDIA'S GREATEST BRANDS LEADERS 2017-2018 by Consumers & Industry

An IIT-IIM alumni initiative

50 years of experience in Education

9+ States

45+ Branches

50+ Daycare

95,000+ Satisfied Parents

Associations & Accreditations

Branches are operational PAN India, for enquiry call at 7210101234 | 8130711133

To discuss franchise write to us at joinhands@littleleaders.in or Contact us: 7210101234, 8130911166.

GZB BRANCHES: Raj Nagar: 9711621258 | Raj Nagar Extn.: 9711625745
I Shastri Nagar D Block: 7428484001 | Nehru Nagar: 8130411133

NOIDA BRANCHES: Gaur City 1: 9643317040 | Supertech Eco Village 1: 7289994323
I Paramount Emotions: 9467075533 | Nirala Estate: 8126133655

To discuss franchise write to us at joinhands@littleleaders.in or Contact us: 7210101234, 8130911166.

सीबीएसई ने 10 वीं और 12 वीं की कंपार्टमेंट परीक्षाओं की डेटशीट जारी

23 अगस्त से शुरू होंगी कंपार्टमेंट परीक्षा

गजियाबाद। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं के छात्रों की कंपार्टमेंट परीक्षा की डेटशीट जारी कर दी है। परीक्षाएं 23 अगस्त से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षा 23 अगस्त से 29 अगस्त तक जबकि 12वीं की परीक्षा 23 अगस्त को होगी।

परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर डेटशीट डाउनलोड कर सकते हैं। मुख्य विषयों की परीक्षा कुल दो घंटे की होगी। परीक्षा सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चलेगी। छात्रों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा। छात्रों को अपना



सैनियाइजर खुद लेकर आना होगा। बोर्ड ने ये भी कहा कि अभिभावकों को ये सुनिश्चित करना होगा कि छात्र बीमार न हो। वहीं, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 में 10वीं में बेसिक गणित लेने वाले छात्रों को 11वीं में गणित लेने की अनुमति दी है। बोर्ड ने इस संबंध में परिपत्र जारी

कर कहा कि बीते दो सालों से कोरोना महामारी के कारण ये छूट दी जा रही है।

ये सत्र भी कोरोना से प्रभावित हुआ है ऐसे में इस छूट को केवल सत्र 2022-23 के लिए फिर से बढ़ाया जा रहा है। बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक डा. संयम भारद्वाज ने कहा कि ये छूट देने से पहले प्रधानाचार्यों को तय करना होगा कि छात्र सामान्य गणित पढ़ने में सक्षम होगा या नहीं। ये था नियम-11वीं में पहले वही छात्र गणित ले सकते थे जिन्होंने 10वीं में स्टैंडर्ड गणित पढ़ी हो। चूंकि जिन छात्रों को आगे चलकर गणित से पढ़ाई नहीं करनी होती है वो 10वीं में बेसिक गणित 10वीं लेते हैं।

दिल्ली के 59 सरकारी स्कूलों में 25 फीसदी से भी कम हाजिरी

नई दिल्ली। दिल्ली के 59 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां विद्यार्थियों की उपस्थिति 25 फीसदी से भी कम है, जबकि 19 स्कूलों में उपस्थिति आठ फीसदी से भी कम है। कुछ स्कूलों में तो 0.3 से लेकर 7.37 फीसदी तक ही उपस्थिति है।

दिल्ली बाल संरक्षण अधिकार आयोग (डीसीपीसीआर) ने शिक्षा निदेशालय को इस संबंध में रिपोर्ट दी है। शिक्षा निदेशालय और डीसीपीसीआर के संयुक्त प्रयास से अरली वार्निंग सिस्टम तैयार किया था। इसके आधार पर जिलेवार स्कूलों की रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट के बाद शिक्षा निदेशालय ने स्कूल प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 100 फीसदी हो। बताया जा रहा है कि उपस्थिति

कम होने का एक बड़ा कारण है कि कई स्कूलों में उपस्थिति लगाई ही नहीं गई है। कई स्कूलों को ऑनलाइन हाजिरी भरने में दिक्कत आ रही है, कहीं कुछ बच्चे गांव चले गए हैं, तो कुछ पारिवारिक कारणों से स्कूल नहीं आ रहे हैं। नूर नगर के सर्वोदय बाल विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति 0.03 फीसदी है। जबकि मोलड़बंद के सर्वोदय कन्या विद्यालय में हाजिरी 0.15 फीसदी दर्ज हुई है। निदेशालय ने कहा है कि स्कूल में बच्चों की उपस्थिति सीधे उनकी शैक्षणिक प्रगति पर पड़ता है। ऐसे में स्कूल प्रमुख बच्चों को रोजाना स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित करें। स्कूलों को कहा गया है कि इस बात को सुनिश्चित किया जाए कि सौ फीसदी हाजिरी लगाई जाए।

भारत जोड़ो अभियान के बीच दिल्ली कांग्रेस को बड़ा झटका, तीन ब्लाक अध्यक्षों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। भारत जोड़ो अभियान के बीच दिल्ली कांग्रेस में एक साथ तीन ब्लाक अध्यक्षों ने इस्तीफा दे दिया है। पार्टी की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रदेश प्रभारी शक्ति सह गोहिल ने इनसे बात करने का आश्वासन दिया लेकिन समय नहीं दिया।

तीनों ब्लाक अध्यक्ष तिलक नगर जिला कांग्रेस के हैं, जिनमें एक महिला अध्यक्ष भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार हरी नगर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश जैन, प्रताप नगर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरपाल सिंह बब्बन और हरी नगर महिला कांग्रेस की

विश्व हाथी दिवस के अवसर पर चिड़ियाघर में हाथियों को दी दावत

नई दिल्ली। विश्व हाथी दिवस पर चिड़ियाघर में हाथियों को शुक्रवार को विशेष प्रकार की दावत दी गई। इसमें हाथियों को खाने में तरबूज, केले, नारियल, खीरा समेत अन्य चीजें दी गईं। हाथियों को खाना केले के पत्तों पर विशेष रूप से सजा कर परोसा गया।

चिड़ियाघर में अभी कुल तीन हाथी हैं, जिसमें दो मादा और एक नर है। इनमें एक नर और एक मादा हाथी एशियन नस्ल के हैं, जिनके हीरा और राज लक्ष्मी नाम हैं। एक अफ्रीकन हाथी भी है। नेशनल म्यूजियम आफ नेशनल हिस्ट्री के साथ चिड़ियाघर प्रशासन ने मिलकर विश्व हाथी दिवस मनाया। इस दौरान स्कूली छात्रों को हाथियों की विशेषता बताई गई और इनके संरक्षण के बारे में जागरूक

किया गया। चिड़ियाघर के निदेशक धर्मदेव राय ने कहा कि यहां हाथियों का विशेष ध्यान रखा जाता है। हाथी बड़ा जानवर है। इनकी देखभाल के लिए बड़ी जमीन, बहुत सारा खाना और बहुत पानी की जरूरत पड़ती है। इसकी पूरी व्यवस्था का ख्याल रखा जाता है। चिड़ियाघर के रेंज अधिकारी सौरभ वशिष्ठ ने बताया कि हाथी दिवस के अवसर पर इन्हें अच्छी दावत दी गई है। ये तीनों हाथी काफी मस्ती में रहते हैं।

चिड़ियाघर में हाथी दिवस पर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें चिड़ियाघर देखने पहुंचे लोगों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता विजेताओं को चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से उपहार भी दिए गए।

ब्लाक अध्यक्ष प्रिया गोयल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इन्होंने अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल चौधरी व प्रदेश प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल सहित एआइसीसी सचिव सीपी मित्तल को भेजा है। साथ ही इस्तीफे की जानकारी तिलक नगर जिले के अध्यक्ष धर्मपाल चंदेला को भी दे दी है।

दिनेश जैन ने अपने इस्तीफे के पीछे तिलक नगर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष द्वारा उन्हें और बब्बन को तवज्जो न देने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने बताया कि बीते दिनों गौरव यात्रा कार्यक्रम उनके इलाके में किया गया था, जिसकी तैयारियां उन्होंने की थी,

कार्यक्रम में जो समय तय किया गया था उससे दो घंटे पहले ही तिरंगा यात्रा आ गई, जिससे कार्यक्रम में उथल-पुथल की स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने ने बताया कि वह पार्टी से लगभग दो दशक से जुड़े हुए थे, वहीं प्रताप नगर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उनसे भी कई साल पहले से पार्टी से जुड़े हुए हैं। दोनों ने लगातार पार्टी को मजबूत करने के प्रयास किया है।

इलाके की समस्याओं के लिए भी हमेशा लड़ाई लड़ते रहे हैं। बावजूद इसके पार्टी में तवज्जो नहीं मिलने से पार्टी में रहकर अपमानित महसूस कर रहे थे और इसी वजह से इस्तीफा दिया है।

रोटरी ने कोविड वैक्सीनेशन कैंप में 150 लोगों ने लगवाई बूस्टर डोज



वहीं, साहिबाबाद गांव के पार्षद हिमांशु चौधरी ने भी आरएचएएम फाउंडेशन की इस मुहिम की दिल से तारीफ की। उन्होंने कहा कि समाज को समर्पित होकर अगर कोई संस्था काम कर रही है तो वह आरएचएएम फाउंडेशन और उसके सहयोगी क्लब हैं। वहीं, आरएचएएम फाउंडेशन के फाउंडर डॉ धीरज कुमार भार्गव ने कहा कि बूस्टर डोज का अभियान अभी जारी रहेगा। दो दिन के शिविर में

करीब डेढ़ सौ लोगों ने निशुल्क बूस्टर डोज लगवाई है। कुछ लोगों को चिन्हित कर बूस्टर डोज लगाई जा रही है। इसके साथ ही टीम बूस्टर डोज के लिए लोगों को जागरूक भी कर रही है। डॉ भार्गव ने सभी आगंतुकों का आभार जताया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग से रविंद्र सिंह, प्रेमलता, संघप्रिया, रागिनी राय, संगीता, गीता शर्मा रविंद्र, विक्रम, संजय, इंद्रेश सोलंकी आदि मौजूद रहे।

आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन की ओर से स्वास्थ्य केंद्र साहिबाबाद में बूस्टर डोज के लिए शिविर लगाया हुआ है। इसमें बड़ी संख्या में लोग बूस्टर डोज लगवाने के लिए आगे आ रहे हैं। इसके अलावा संस्था की ओर से लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।

- हिमांशु चौधरी, पार्षद, साहिबाबाद



स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर रोटरी क्लब और आरएचएएम फाउंडेशन की ओर से बूस्टर डोज लगाने के लिए अभियान जारी है। जिन लोगों ने अभी तक वैक्सीन नहीं लगवाई है वह केंद्र पर जाकर वैक्सीनेशन जरूर लगवाएं और देश को कोरोना मुक्त बनाने में अपना पूरा सहयोग करें।

- मनीषा भार्गव, प्रेसिडेंट रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर



आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब समाज को समर्पित संगठन है और लंबे समय से राष्ट्रहित में काम कर रहे हैं। जब तक वैक्सीनेट लोगों को बूस्टर डोज नहीं लगती है तब तक अभियान जारी रहेगा। लगातार लोगों को बूस्टर डोज के लिए जागरूक किया जा रहा है क्योंकि कोरोना महामारी को हराने के लिए जागरूकता सबसे ज्यादा जरूरी है।

- डॉ धीरज कुमार भार्गव, फाउंडर, आरएचएएम फाउंडेशन



रोटरी व आरएचएएम फाउंडेशन की एक अच्छी पहल है। इन संस्थाओं ने कोरोना महामारी के दौरान भी सराहनीय काम किया था। स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर करीब 10 हजार से अधिक लोगों को वैक्सीन लगवाने में सहयोग किया।

- रविंद्र सिंह, साहिबाबाद स्वास्थ्य केंद्र



कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेट होना बहुत जरूरी है। दोनों खुराक लेने के बाद लोगों को केंद्र पर आकर बूस्टर डोज लगवानी चाहिए। इसके साथ ही दूसरे लोगों को भी जागरूक करना चाहिए।

- प्रेमलता देवी



लाल सिंह चड्ढा में क्यों है आमिर खान का सिख किरदार



टीबीसी न्यूज। आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज में सिर्फ 2 दिन बचे हैं और रिलीज से पहले आमिर ने फिल्म के किरदार को लेकर एक राज खोला है। अब यह तो सब जानते हैं कि लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड फिल्म फॉरेस्ट गम्प का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में टॉम हैंक लीड रोल में थे। अब लाल सिंह चड्ढा में आमिर के किरदार को नॉर्मली भी दिखाया जा सकता था, लेकिन इसमें लाल सिंह चड्ढा को सिख के किरदार में दिखाया है। अब आमिर ने बताया है कि क्यों लाल सिंह चड्ढा के किरदार को उन्होंने सिख के किरदार में रखा है। दरअसल, एक इंटरव्यू के दौरान आमिर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, टेक्नीकली ये किरदार कोई भी हो सकता था, लेकिन फिल्म के स्क्रीन राइटर अतुल कुलकर्णी ने स्टोरी को ऐसे लिखा है कि ऑडियंस इस किरदार से अच्छे से जुड़ सकें। ये साल 1983-84 के दौरान की कहानी है और उस वक्त सिख समुदाय ने काफी कुछ झेला था। आमिर ने आगे पत्रकार बाराद्वाज से बात करते हुए कहा, अतुल ने फिल्म के अडैप्शन में पहले ही इस किरदार को सिख के रूप में रखा था। जब हमें स्क्रिप्ट मिली हम उसे सिख किरदार के रूप में ही पढ़ रहे थे तो हमने सब नैचुरली किया। यही वजह है कि हम में से किसी ने यह नहीं पूछा कि ये सिख ही क्यों है। लेकिन अब मैं सोचता हूं तो टेक्नीकली ये कोई भी हो सकता था। लेकिन मुझे लगता है कि अतुल ने ये सब इसलिए किया क्योंकि हमारी सोशल पॉलिटिकल हिस्ट्री की टाइमलाइन में 1983-84 सिख समुदाय के लिए काफी मुश्किल भरा समय था। उस वक्त सिख समुदाय को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। वहीं इससे पहले अतुल ने हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए आमिर के लुक पर कहा था, उनके लुक की हर छोटी डिटेल् की वजह है। इस बारे में काफी कुछ है कहने को लेकिन अगर मैं खुद बता दूंगा तो ऑडियंस का मजा खराब हो जाएगा। लेकिन मैं यही कहूंगा कि हर छोटी डिटेल् की वजह है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए जरूर अपनाएं आयुर्वेद के आसान तरीके



हेल्थ डेस्क। आजकल हर किसी के हाथ में मोबाइल फोन है और ज्यादातर वक्त स्क्रीन पर खर्च होता है। बच्चे काफी वक्त ऑनलाइन रहते हैं वहीं खानपान भी ऐसा है कि छोटी सी उम्र में उनको चश्मा चढ़ जाता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में भी आंखों से जुड़े कई इन्फेक्शंस होने का खतरा रहता है। आंखें काफी सेंसिटिव होती हैं इसलिए इनका खास ध्यान रखना चाहिए। हालांकि ज्यादातर लोग इनके लिए कोई खास एफर्ट नहीं करते। आयुर्वेद में कई ऐसे तरीके बताए गए हैं जो आंखों की रोशनी कम नहीं होने देते साथ ही इन्फेक्शंस से भी बचाते हैं।

अपनाएं आयुर्वेद टिप्स

पुराने जमाने में बुजुर्ग लोग ही चश्मा लगाए नजर आते थे। आजकल छोटे-छोटे बच्चों की भी नजर कमजोर होने लगती है। आयुर्वेद डॉक्टर दीक्षा भावसार ने कुछ टिप्स अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किए हैं जो आपकी आंखों की रोशन और हेल्थ ठीक रखने में मददगार हो सकते हैं।

ऑर्गेनिक गुलाब जल

आंखों में ऑर्गेनिक गुलाब जल डालें इससे आंखों की थकान दूर होगी और जलन या कोई और समस्या है तो उसमें भी राहत मिलेगी।

गाय का घी

गाय का घी सेहत के लिए काफी अच्छा होता है। इसे खाने से आंखों की सेहत भी अच्छी रहती है। इसे आंखों या नथुनों में लगाना आंखों के लिए फायदेमंद होता है।

त्रिफला

त्रिफला तीन तरह के हर्ब्स का मिश्रण होता है। यह बाजार में मिलता है या इसे आप घर पर भी बना सकते हैं। यह आंखों के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा यह पेट, त्वचा और बालों के लिए भी अच्छा होता है।

शहर में आवंटित जीडीए के मकानों में चल रहीं व्यावसायिक गतिविधियां

गाजियाबाद। जीडीए ने विभिन्न योजनाओं में ईडब्ल्यूएस व एलआईजी मकान बने हैं। इन मकानों के भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर बने ज्यादातर मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां चल रही है। जिससे ऊपर के तल (फ्लोर) पर रहने वाले लोग परेशान हैं। इन लोगों ने जीडीए में शिकायत कर इन गतिविधियों को बंद कराने की मांग की है। जीडीए ने मधुबन बापूधाम आवासीय योजना, इंदिरापुरम योजना, तुलसी निकेतन, प्रताप विहार, विजयनगर, गोविंदपुरम, नंदग्राम समेत कई योजनाओं में ईडब्ल्यूएस व एलआईजी मकान बनाए हैं। दो से चार मंजिला तक बने इन मकानों के भूतल पर ज्यादातर दुकानें खुल गईं। जिससे इन दुकानों के ऊपर रहने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है। इन मकानों में रहने वाले बताते हैं कि जीडीए ने यह मकान रहने के लिए बनाए हैं, लेकिन भूतल पर मुख्य सड़क या कोने के मकान को कुछ लोगों ने दुकान या आफिस में बदल दिया है। मधुबन बापूधाम योजना के ई ब्लॉक में रहने वाले शिव कांत मिश्रा का कहना है कि उनका मकान द्वितीय तल पर है। जबकि भूतल मकान वाले ने दुकान निकाल दी है। साथ ही वाहन खड़े करने की जगह भी घेर ली है। इस संबंध में जीडीए उपाध्यक्ष से शिकायत की गई है। इस प्रवर्तन जोन की प्रभारी भी मौके का निरीक्षण कर चुकी है, लेकिन अभी तक उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। उनका कहना है कि अगर भूतल पर इसी तरह दुकानें बनती रही, तो ऊपर के तल पर रहने

वालों को यहां से पलायन ही करना पड़ेगा। जीडीए की प्रत्येक योजना में इस तरह की समस्या है। लोग भूतल के मकान को दुकान या कार्यालय में बदल रहे हैं। इसमें मुख्य रूप से खाने पीने की दुकान खुल जाती है। जिस वजह से दुकान के बाहर वाहन खड़े हो जाते हैं और वहां रहने वालों को आने जाने में ही समस्या होती है। साथ ही सड़क पर वाहन खड़े होने से जाम भी लगता है।

लोग भी परेशान, कई बार कर चुके शिकायत

इंदिरापुरम में बने ईडब्ल्यूएस व एलआईसी मकानों के लोग भी मकानों में दुकान खोलने के विरोध में कई बार जीडीए में शिकायत कर चुके हैं। इनकी शिकायत के बाद प्राधिकरण की टीम दुकान करने वालों को नोटिस देने के बाद कोई कार्रवाई नहीं करती है। जिससे लोगों की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसी तरह तुलसीनिकेत, प्रताप विहार, गोविंदपुरम समेत अन्य योजनाओं में रह रहे लोग भी परेशान हैं।

प्रवर्तन अनुभाग की है मिलीभगत

लोगों का आरोप है कि मकान को जब लोग दुकान बनाते हैं। तो उस जोन की प्रवर्तन अनुभाग की टीम वहां आती है, लेकिन वह दुकान बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है। जबकि मिलीभगत कर व्यावसायिक गतिविधियां करवाने में सहयोग कर देती है। उधर, जीडीए सचि बृजेश कुमार ने बताया कि अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। वहीं, आवासीय में व्यावसायिक गतिविधियां करने वालों पर भी सख्ती की जा रही है।

बच्चों को गुड और बैड टच की जानकारी दी



गाजियाबाद न्यूज। राजनगर स्थित सरस्वती स्कूल में रोटरी क्लब ऑफ वैशाली की ओर से बच्चों को छात्र छात्राओं को गुड टच बेड टच(अच्छा स्पर्श बुरा स्पर्श) की जानकारी दी गई। रोटरी क्लब की ओर से आरती सबरवाल ने गुड और बैड टच के बारे में विस्तार से समझाया व उन्हें जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि बुनियादी मुद्दे जो आज भी अछूते हैं समाज से उस ओर कोई ध्यान

नहीं देता पर बच्चे भय से घर पर नहीं बोलते ओर मानसिक और शारीरिक शोषण का शिकार आज भी निरन्तर हो रहे हैं। इस मौके पर रजनी जोशी, गीतिका आदि मौजूद रही।

कपड़े का थैला देकर लोगों को प्लास्टिक के बहिष्कार के लिए जागरूक किया

गाजियाबाद न्यूज। स्पर्श सोसायटी ने प्लास्टिक के बहिष्कार के लिए लोगों को जागरूक किया। उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ रैली निकालकर लोगों को प्लास्टिक की पन्नी के स्थान पर कपड़ों के थैले प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। कोई भी व्यक्ति दुकानदार को 20 रुपये की सिक्कोरिटी मनी देकर थैला ले सकता है इसके बाद दुकानदार को थैला वापस करना पड़ेगा। वसुंधरा से यह मुहिम आरंभ की गई थी, जो कई जगह पर पहुंच चुकी है। वसुंधरा सेक्टर 15 की मार्केट में स्कूल के बच्चों और संस्था के वॉलंटियर्स ने दुकानदारों और खरीददारी के लिए आए लोगों को प्लास्टिक की पन्नी के स्थान पर

मुहिम को लोगों का अच्छा समर्थन मिल रहा है और हमें उम्मीद है हम जल्द ही पूरे गाजियाबाद को इस मुहिम से जोड़ लेंगे। इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

कपड़े के थैली के प्रयोग के फायदे

मुहिम को लोगों का अच्छा समर्थन मिल रहा है और हमें उम्मीद है हम जल्द ही पूरे गाजियाबाद को इस मुहिम से जोड़ लेंगे। इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।



फ्री सुविधाओं को लेकर केजरीवाल का केंद्र सरकार पर हमला बोले 39 देश अपने बच्चों को फ्री और अच्छी शिक्षा देते हैं

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की मुफ्त योजनाओं की बचाव करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि डेनमार्क, नॉर्वे जैसे 39 देश अपने बच्चों को फ्री और अच्छी शिक्षा देते हैं, कनाडा, यूके जैसे नौ देश फ्री इलाज देते हैं और अमेरिका, जर्मनी जैसे 16 देश बेरोजगारी भत्ता देते हैं। जबकि अपने देश में आजादी के 75 साल भी हम लोगों को मुफ्त बिजली-पानी और शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि यह देश इसीलिए अमीर हैं, क्योंकि इन्होंने अच्छी शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं मुफ्त में दी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूरे देश में खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी लगा दिया है। देश में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जैसे मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी की



सुविधाएं देना गुनाह है। इससे सरकारों को बहुत घाटा हो रहा है और ये बंद होनी चाहिए। दूसरी तरफ देश के कुछ चंद लोगों का इन्होंने 10 लाख करोड़ रुपये का कर माफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोस्तों के बैंक के कर्जे माफ करना देश के साथ गद्दारी घोषित किया जाए। इसके लिए कानून बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यह काम वो (कांग्रेस) करते थे और

अब भाजपा वाले करते हैं। केजरीवाल ने मांग की कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि जिन लोगों के इन्होंने कर्जे माफ किए हैं उन लोगों ने इनकी पार्टी को कितने चंदे दिए हैं। इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस देश में एक पार्टी है जो परिवारवाद करती है दूसरी एक पार्टी है जो दोस्तवाद करती है।

अरविंद केजरीवाल ने मांग की कि देश के हर बच्चे के लिए शानदार मुफ्त शिक्षा, हर व्यक्ति के लिए मुफ्त इलाज, हर परिवार के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और बेरोजगारों के लिए बेरोजगारी भत्ते की व्यवस्था की जाए। इस वक्त हमें प्लानिंग

करनी चाहिए कि अगले पांच साल में पूरे देश में शानदार सरकारी स्कूल बनाकर बच्चों को अच्छी शिक्षा देंगे, तब आजादी की 75वीं वर्षगांठ सही मायने में मनाई जाती। केजरीवाल ने अपील की कि हम सभी को आजादी के अवसर पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम इस देश से परिवारवाद और दोस्तवाद खत्म करेंगे और भारतवाद लेकर आएं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में 39 अमीर देश ऐसे हैं, जहां पर वो अपने बच्चों को फ्री और अच्छी शिक्षा देते हैं।

उन 39 देशों में 27 देश ऐसे हैं, जो 12वीं कक्षा तक फ्री शिक्षा देते हैं और 12 देश ऐसे हैं, जो 8वीं कक्षा तक फ्री शिक्षा देते हैं। वो देश अमीर इसी वजह से बने, क्योंकि वो अपने बच्चों को फ्री और अच्छी शिक्षा देते हैं। जबकि हमारे देश में माहौल बनाया रहा है कि बच्चों को फ्री शिक्षा नहीं देनी चाहिए। जैसे डेनमार्क, कनाडा, नॉर्वे,

स्पेन देश है। यह बहुत अमीर देश हैं। ये अमीर देश अपने बच्चों को अच्छी और फ्री में शिक्षा देते हैं। इनमें से एक भी देश अपने दोस्तों के फ्री में कर्जे माफ नहीं करता है। केजरीवाल ने मांग की कि इस देश में हर बच्चे के लिए अच्छी, शानदार और फ्री शिक्षा का इंतजाम किया जाए। इस देश में पैदा होने वाले हर बच्चे का यह अधिकार है और यह फ्री-बी नहीं है। यह फ्री की रेवड़ी नहीं है।

इसको फ्री-बी और फ्री की रेवड़ी बोलने वाले देश के गद्दार हैं। उन्होंने कहा कि इस देश के हर व्यक्ति के लिए अच्छी शानदार और फ्री इलाज की व्यवस्था की जाए। हर परिवार के लिए 300-300 यूनिट मुफ्त बिजली का इंतजाम किया जाना चाहिए। जब तक किसी को रोजगार न मिल जाए, तब तक उस बेरोजगार युवा के लिए बेरोजगारी भत्ते का इंतजाम किया जाना चाहिए।

प्राधिकरण में संविदा पर तैनात अधिकारी-कर्मचारियों की होगी निगरानी

नोएडा। किसान भूआवंटन प्रकरण में संविदा पर तैनात दो प्रबंधकों की बर्खास्तगी के बाद प्राधिकरण के अन्य संविदा अधिकारियों पर संदेह गहरा गया है। आला अधिकारियों ने महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अफसरों की निगरानी करानी शुरू कर दी है। निगरानी करने के लिए समिति गठित कर दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक कई और अधिकारियों की शिकायत पर जांच चल रही है और जल्द ही कोई कार्रवाई भी हो सकती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में तीन दिन पहले छह फीसदी भूखंड में तैनात पवन कुमार और दिनेश नामक संविदा पर तैनात प्रबंधकों को मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया था। इसी तरह कई और अधिकारी-कर्मचारियों की उनको शिकायत मिली थी। उनकी जांच के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों की कमेटी बनाकर उनके कार्य पर निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिन अफसरों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

हैं उन पर विशेष निगरानी रखने की बात कही गई है। सीईओ ने साफ कहा है कि जो भी संविदाकर्मी किसी तरह की गड़बड़ी करता है उसे चेतावनी नहीं बल्कि बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। पिछले दो सप्ताह में प्राधिकरण से 30 से अधिक अफसर और कर्मचारियों का तबादला हो गया है। अब अधिकारियों के आ जाने के बाद इन अधिकारियों को मूहत्वपूर्ण पदों से हटाकर समान्य कार्य दिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार कुछ संविदा अधिकारी-कर्मचारियों की नियुक्ति मानकों के अनुरूप नहीं हुई है। इस तरह के कर्मचारियों पर भी कार्रवाई होगी। उधर, ग्रेनो प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुरेंद्र सिंह का कहना है कि प्राधिकरण में लंबे समय से संविदा पर अधिकारी और कर्मचारी रखे जाते रहे हैं। संविदा पर तैनात अधिकारियों के गलत कार्य-आचरण को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब उनको सीधे बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

एमएमजी के जिला मलेरिया अधिकारी के साथ मारपीट

गाजियबाद न्यूज। जिला मलेरिया अधिकारी जीके मिश्रा के साथ लिंक रोड पर एक रेस्तरां के सामने पार्किंग में गाड़ी टकराने का विरोध करने पर मारपीट का मामला सामने आया है। एक एसयूवी ने डीएमओ की गाड़ी टक्कर मार दी थी। उन्होंने विरोध किया तो एसयूवी सवार पुरुष ने उनके साथ मारपीट कर दी।

पीड़ित ने मामले की शिकायत लिंक रोड थाने में की है। वसुंधरा निवासी जीके मिश्रा जिला मलेरिया अधिकारी हैं। रविवार दोपहर वह बच्चों के साथ लिंक रोड स्थित बीकानेर स्वीट्स से मिठाई लेने गए थे। पार्किंग में इसी बीच उनकी गाड़ी में आगे से एक एसयूवी ने टक्कर मार दी। उन्होंने उतरकर विरोध किया तो

एसयूवी सवार महिला और पुरुष ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट कर दी। उन्होंने किसी तरह आरोपियों से पीछा छोड़ा। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन की पहचान करने के लिए मिठाई की दुकान के सीसीटीवी फुटेज देखे तो कैमरा खराब मिला। जीके मिश्रा के मुताबिक उन्होंने लिंक रोड थाने में लिखित शिकायत देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में लिंक रोड थाना प्रभारी मनीष बिष्ट का कहना है कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपियों की पहचान कर शीघ्र उन्हें पकड़ा जाएगा।



Gurukul
The School



JOIN #1 SCHOOL IN GHAZIABAD

AT ZERO FEE AND BECOME A NATIONAL TOPPER

ENROL FOR
GURUKUL SCHOLARSHIP TEST
FOR GRADE XI SESSION 2022-23

SCAN NOW



NH-24, 28kms Delhi Milestone, Ghaziabad (UP) 201302
+91-9599596097, -91-8527199902 www.gurukultheschool.com

जनपद में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

गाजियाबाद। शहर के लोगों ने 15 अगस्त के दिन जगह-जगह ध्वजारोहण किया। स्कूल, कालेज, पार्क और गली मोहल्लों में लोगों ने सामूहिक रूप से ध्वजारोहण कर देश के शहीदों को याद किया; कई जगह पर देशभक्ति गीतों पर डांस किया गया। घर-घर तिरंगा अभियान के तहत झंडे वितरित किए गए, वैशाली, वसुंधरा, इंदिरापुरम, मोहन नगर आदि में लोगों ने रैलियां निकालकर ध्वजारोहण किया। शहर के सभी सरकारी दफ्तर भी देशभक्ति के रंग में रंगे हुए नजर आए। पार्शद सरदार सिंह भाटी जी ने क्षेत्रवासीगण, समस्त आर डब्लू ए के साथ अपने वार्ड 37 साहिबाबाद गाजियाबाद में घर घर तिरंगे वितरण किए एवं निवासियों के साथ घरों पर तिरंगा लगाकर क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। पार्शद सरदार सिंह भाटी ने बताया भारत देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें 15 अगस्त को हर गली तिरंगा, हर घर तिरंगा फहराया गया। स्वामी विवेकानंद एन्क्लेव, छाबड़ा कॉलोनी टाइप, सूर्या पार्क विक्रम एन्क्लेव, श्री शिव शक्ति मंदिर शालीमार गार्डन ए ब्लॉक, पर क्षेत्रवासियों को तिरंगा वितरण किए एवं क्षेत्रवासियों ने तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान में अपना योगदान दिया। स्वामी विवेकानंद एन्क्लेव की आर डब्लू ए एवं समस्त



कॉलोनीवासियों ने मिलकर भव्य सुन्दर तिरंगा यात्रा निकाली। रवि भाटी क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य भाजयुमो ने कहा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है आइये हम सब अपने-अपने घरों में तिरंगा ध्वज अधिष्ठापित कर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनायें।

इस मोके पर कालीचरण पहलवान, रवि भाटी, कैलाश यादव, सोमनाथ चौहान, स्वामी विवेकानंद कंपाउंड से अजीत यादव अनुज गुप्ता, अमर सिंह, रत्नेश सक्सेना, वेदप्रकाश शर्मा, सुरेश मित्तल, सुदीप शर्मा, उन्नी कृष्ण, भोजराज, कमल गुप्ता, प्रियंका सोलंकी, गौरव सोलंकी, ममता धामा, सिया कौशल, विनोद माथुर, आर के, अनिताश गुप्ता,

विनायक अजय पूरन, आशुतोष, गगन अन्य स्वामी विवेकानंद एन्क्लेव के समस्त निवासीगण, सूर्या पार्क विक्रम एन्क्लेव से मुकेश यादव आर डब्लू ए अध्यक्ष सूर्या पार्क, नीरज सकलानी, सोनू चौधरी, विनोद यादव, रामपाल उपाध्यक्ष, कैलाश, राजेन्द्र चौधरी, मनवीर सिंह गोदारा, संतोष गुप्ता, वेदप्रकाश, चंदर ठाकुर, अनिल, राजेश शर्मा, रामकुमार शर्मा, जय, विकास, प्रदीप कुमार, क्षितिज श्रीवास्तव, अंकित, बिट्टू, राकेश मिश्रा, अनिल सक्सेना, अक्की, मोहित, अमर सिंह, अरुण चौधरी, सोनू चौधरी, आदि सेकड़ों लोगों ने घर घर तिरंगा लगाए एवं सभी ने देश भक्ति की प्रेरणा को जागरूक करने के लिए तिरंगा यात्रा निकाली।



लापरवाही से पांच साल पुराने लोन के आवेदन भी लंबित

गाजियाबाद। बैंक प्रबंधकों की मनमानी से पांच साल से ज्यादा पुराने आवेदन भी लंबित पड़े हुए हैं। ऋण नहीं मिलने से समूह की महिलाएं स्वरोजगार नहीं कर पा रही हैं, जिससे परेशान महिलाएं विभाग और बैंकों के चक्कर काट रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए हर साल स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाता है। करीब एक हजार समूहों का गठन किया जा चुका है, जिनसे करीब 12 हजार महिलाओं को जोड़ा गया है। समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण भी लगातार दिया जा रहा है। लेकिन शासन के आदेश के

बैंक में जाकर दो बार दस्तावेज जमा कर चुकी हूँ। लेकिन अभी तक ऋण की फाइल बैंक ने स्वीकृत नहीं की है। ऋण नहीं मिलने से स्वरोजगार शुरू करने में दिक्कत आ रही है।

-गीता देवी, निवासी, डासना

योजना के अंतर्गत सेनेटरी पैड बनाने की मशीन लगाने के लिए ऋण के लिए आवेदन किया था। लेकिन अभी तक ऋण नहीं मिल सका है। बैंक के चक्कर काटकर थक चुकी हूँ। विभागीय अधिकारी जल्द ऋण पास कराने का आश्वासन देते हैं।

-पूजा कुशवाहा, निवासी, बैगमाबाद

बाद भी बैंकों की मनमानी के कारण समूह की महिलाओं को ऋण नहीं मिल पा रहा है। जिले के करीब 105 स्वयं सहायता समूह ऐसे हैं जो स्वरोजगार करने के लिए बैंकों से ऋण मिलने का इंतजाम कर रहे हैं, जिससे वह अपने परिवार का सहारा बनकर

उनका पालन-पोषण कर सकें। महिलाएं जब भी शिकायत लेकर विभाग में जाती हैं तो विभागीय अधिकारी ऋण दिलवाने का आश्वासन देकर वापस घर भेज देते हैं। शासन की ओर से इस योजना का नोडल ग्राम्य विकास विभाग को बनाया गया है।

युवा संस्कार समारोह में बच्चों को यज्ञोपवीत धारण कराया

टीबीसी न्यूज। गाजियाबाद वेद प्रचार परिषद एवं केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के संयुक्त तत्वाधान में एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के नेतृत्व में ज्ञानखंड 1, इन्दिरापुरम में युवा संस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यज्ञ करके बच्चों ने माँस, अंडा, नशा आदि दुर्व्यसन त्यागने की प्रतिज्ञा ली और यज्ञोपवीत धारण किया। आचार्य यश पाल शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ सम्पन्न हुआ। उन्होंने युवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा जीवन को बर्बाद कर देता है। यज्ञ करके इन दुर्व्यसनों को जीवन से त्यागने का संकल्प कराया और माता पिता का अभिवादन करके उनका सम्मान करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा की ईश्वर पर विश्वास करने से लाभ ही लाभ है। स्वामी दयानंद ने भी यही कहा है ईश्वर पर विश्वास करने से पहाड़ जैसी मुसीबत राई के बराबर हो जाती है ईश्वर पर विश्वास ना होने के कारण आज आत्महत्याएं बढ़ी हैं, इसलिए उसे मानना आवश्यक है, लाभकारी है, समझदार लोगों की यही पहचान है, यही धर्म है, उन्होंने आगे कहा कि आपके प्रिय जनों में यदि कोई कमियां हो इस कारण उनसे द्वेष मत करो अपितु स्वयं में परिवर्तन लाओ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे स्वदेशी आयुर्वेद हरिद्वार के निदेशक डा आर के आर्य ने कहा कि यज्ञोपवीत ज्ञान ग्रहण करने का बाह्य चिह्न है। इसीलिए इस समय जिन लोगों ने यज्ञोपवीत नहीं धारण किया हुआ है, उन्हें नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिए।।

सीयूईटी के स्कोर व ट्रायल प्रमाणपत्रों से तैयार होगी मेरिट सूची

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में चालू शैक्षणिक सत्र में स्नातक पाठ्यक्रमों में ईसीए (एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटी) कोटे के दाखिले के लिए ट्रायल, प्रमाण पत्रों व कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के स्कोर के आधार पर रैंक जारी की जाएगी। रैंक प्राप्त करने के लिए ईसीए की 14 श्रेणियों में से किसी एक में 75 अंकों में से 30 अंक लाना अनिवार्य होगा। इस बार दाखिले में 25 फीसदी सीयूईटी स्कोर व 75 फीसदी ईसीए स्कोर का वेटेज मिलेगा। 75 में 60 फीसदी ट्रायल और 15 फीसदी दस्तावेज के अंक शामिल किए जाएंगे। डीयू ने ईसीए के दाखिले के लिए रूपरेखा तैयार की है। इसके तहत जब ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी, तब छात्रों को ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। ईसीए की 14 श्रेणियों में से छात्रों को तीन श्रेणियों में आवेदन करना होगा। इनमें से किसी एक श्रेणी में दाखिले का अवसर मिलेगा। एनसीसी व एनएसएस श्रेणी के लिए प्रमाणपत्र के अंकों का वेटेज मिलेगा। एनसीसी व एनएसएस श्रेणी के तहत छात्रों के लिए ट्रायल नहीं बल्कि प्रमाण पत्रों के अंकों को वेटेज दी जाएगी।

प्रत्येक कॉलेज में एक फीसदी सीट ईसीए व पांच फीसदी खेल कोटे के लिए आरक्षित होती है। ईसीए दाखिले से जुड़े अधिकारियों के अनुसार छात्रों को सीयूईटी स्कोर के साथ-साथ ईसीए की किसी एक श्रेणी में कम से कम 30 अंक लाना अनिवार्य है। तीन श्रेणी में जो भी अधिकतम स्कोर होगा उसे देखा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार इस बार डीयू में सभी स्नातक कोर्सेज के लिए सीयूईटी आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में बीबीए, बीबीई, व बीएमएस के दाखिले भी सीयूईटी से होंगे। लिहाजा इस बार ईसीए के लिए सीटें बढ़ जाएंगी। अधिकारी के अनुसार कॉलेजों से सीटों का ब्योरा मंगवाया गया है। ईसीए की करीब 1200 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे।

क्रिएटिव राइटिंग (हिंदी-अंग्रेजी), डांस (भारतीय शास्त्रीय, भारतीय लोक, पश्चिमी, कोरियोग्राफी) डिबेट (हिंदी-अंग्रेजी) डिजिटल मीडिया (फोटोग्राफी, फिल्म मेकिंग, एनिमेशन), फाइन आर्ट (स्केचिंग-पेंटिंग, मूर्तिकला), म्यूजिक वोकल (इंडियन, वेस्टर्न), भारतीय संगीत वाद्य, पश्चिमी संगीत वाद्य, थियेटर, क्विज, एनसीसी, एनएसएस, योगा, धर्मशास्त्र।